and development activities are being done by Centre for Development of Telematics (C-DOT).

The C-DOT has manpower of 939 employees and the annual expenditure for the current financial year is estimated at Rs. 41.55 crores.

The C-DOT is engaged in design and development of state-of-the art switching & transmission technologies.

The development of Cellular Telephone system and paging devices are not in the priority development of C-DOT.

The recent liberalisation of the Government Policy will not affect the C-DOT. The C-DOT designed and developed exchanges are most appropriate to suit climatic conditions of rural India.

पटना हवाई अड्डे का विस्तार

3363. **श्री शंकर दयाल सिंह :** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यात्रियों की सुविधा के लिए पटना हवाई अड्डे का निर्माण अथवा विस्तार करने की कोई योजना है; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं तो उसके क्या कारण हैं ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) और (ख) 5.81 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से आधुनिक यात्री सुविधाओं सहित, टर्मिनल भवन का विस्तार तथा उसमें सुधार करके, पटना हवाई अड्डे को मॉडल हवाई अड्डे के रूप में विकसित किया जा रहा है ।

Vayudoot services from Ludhiana

3364. SHRI JAGIR SINGH DARD : Will the Minister of CIVIAL AVIATION & TOURISM be pleased to state :

(a) whether Vayudoot services are in operation from Ludhiana to Delhi; if so, what are the details thereof;

(b) whether Government of Punjab have requested the Central Government for the increase of flight of Vayudoot from Ludhiana to Delhi;

(c) if so, what are the details thereof; and

(d) what is the reaction of Government thereto ?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD) : (a) Vayudoot is at present operating *six days a week Dornier services on* the route Delhi-Ludhiana-Chandigarh-Delhi.

(b) to (d) Vayudoot has received a request from the Government of Punjab for increasing the present frequency of one flight to two flights a day. The present load does not warrant operation of two flights a day to Ludhiana.

प्राइवेट एजेंसियों को अपने विमान चलाने की अनुमति

3365. **श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल :**

श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि सरकार ने 31 जनवरी, 1993 की स्थिति के अनुसार कितनी प्राइवेट एजेंसियों को अपने विमान चलाने की अनुमति प्रदान की है और उन एजेंसियों के नाम क्या हैं ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : 31-1-1993 तक निम्नलिखित ग्यारह प्रचालकों को हवाई टैक्सी सेवाएं चलाने की अनुमति दी गई थी ।

1. मैसर्स इंडिया इंटरनेशनल एयरवेज प्राइवेट लिमिटेड ।
2. मैसर्स दिल्ली गल्फ एयरवेज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ।